भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5210
जिसका उत्तर मंगलवार 27 मार्च, 2018 को दिया जाना है

उत्तर-पूर्व क्षेत्र में कागज की मिलों की स्थापना

5210. श्री राम प्रसाद सरमा:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर-पूर्व क्षेत्र में कुछ कागज मिलें स्थापित की हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या यह सच है कि उत्तर-पूर्व क्षेत्र में सभी कागज मिलें समुचित रूप से कार्य नहीं कर रही हैं;
(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) इन कागज मिलों के पुनरुद्धार हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख): हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन (एचपीसी) पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का एक उद्यम है। एचपीसी के उत्पादन यूनिट नामतः नगांव पेपर मिल और कछाड़ पेपर मिल जगीरोड और पंचग्राम, असम में स्थित हैं। एचपीसी की अनुषंगियों में से एक नागालैंड पल्प पेपर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, तुली, नगालैंड में स्थित है।

(ग): हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन लिमिटेड की उत्पादन यूनिटें नामतः नगांव पेपर मिल और कछाड़ पेपर मिल क्रमशः मार्च, 2017 और अक्तूबर, 2015 से बंद है। नगालैंड पल्प पेपर कंपनी कॉर्पोरेशन लिमिटेड में प्रचालन कार्य भी वर्ष 1992 से बंद है।

(घ): विकट वित्तीय संकट के कारण एचपीसी के यूनिटों का उत्पादन रोक दिया गया। पूर्वोत्तर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बांस के गुच्छों में पुष्पन की प्राकृतिक घटना के चलते बांस के कच्चे माल की आपूर्ति में रूकावट के साथ वर्ष 2008-09 में कॉर्पोरेशन के कार्यनिष्पादन में गिरावट आनी शुरू हो गई। राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल द्वारा मई, 2014 से मेघालय के राज्य, यहां से कछाड़ पेपर मिल और नगांव पेपर मिल कोयले की अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता था, में कोयले के खनन और परिवहन पर व्यापक प्रतिबंध के कारण मिलों की स्थिति खराब हो गई।

(ङ): हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पुनरूद्धार हेतु प्रस्ताव विचाराधीन है।

******